किसान और जनजाति आंदोलन

A. किसान आन्दोलन

बिजोलिया किसान आन्दोलन

- मेवाड़ रियासत में बिजोलिया (वर्तमान भीलवाड़ा जिले में स्थित) ठिकाने की स्थापना **राणा सांगा** के समय **अशोक परमार** द्वारा **1510 ई.** में की गयी थी।
- बिजोलिया किसान आन्दोलन (1897-1941 ई.) **राजस्थान का प्रथम संगठित किसान आन्दोलन** था और यह **अहिंसात्मक आंदोलन** था। यह भारत में **सर्वाधिक अवधि** (44 वर्ष) **तक चलने वाला किसान आन्दोलन** माना जाता है।
- बिजोलिया किसान आन्दोलन के प्रणेता **साधु सीतारामदास** थे। इनके आग्रह पर 1916 ई. में विजयसिंह पथिक इस आन्दोलन से जुड़े। पथिक ने '**बिजोलिया किसान पंचायत**' का आयोजन किया।
- **साधु सीतारामदास, विजयसिंह पथिक, माणिक्यलाल वर्मा, रामनारायण चौधरी, हरिभाई किंकर, जमनालाल बजाज,** हरिभाऊ उपाध्याय, **फतेहकरण चारण, ब्रह्मदेव कुमावत**, नारायण पटेल, नानजी व ठाकरी पटेल आदि ने बिजोलिया आंदोलन में सक्रिय भाग लिया।

FROM:- RAJASTHAN CLASSES

DAILY PDF के लिए JOIN कीजिए:-राजस्थान क्लासेज

- **साधु सीतारामदास** को '**बिजोलिया किसान आंदोलन का जनक**' कहा जाता है।
- विजयसिंह पथिक को **राजस्थान में किसान आंदोलनों का जनक** कहा जाता है।
- पथिकजी का **मूल नाम भूपसिंह गुर्जर** था। इनका जन्म 1873 ई. में **उत्तरप्रदेश** के **बुलन्दशहर** जिले के **गुलावठी गाँव** में हुआ।

बेगूँ किसान आन्दोलन

- **चित्तौड़गढ़** जिले में स्थित बेगूँ के किसानों ने **रामनारायण चौधरी** के नेतृत्व में आन्दोलन किया।
- किसानों ने जागीरदारों (रावत अनूप सिंह) के विरुद्ध 1921 ई. में **मेनाल** में इस आंदोलन की शुरुआत की और **विजयसिंह पथिक को नेतृत्व** सौंपा। कुछ समय बाद पथिकजी ने इसका नेतृत्व रामनारायण चौधरी को सौंप दिया।
- 1923 में किसानों व **ठाकुर रावत अनूपसिंह** के मध्य समझौता हुआ। लेकिन सरकार ने इसे '**बोल्शेविक समझौता**' कहकर रद्द कर दिया।

Join us on Telegram
YouTube
Websites

SUBSCRIBE US ON WEBSITE RAJASTHAN CLASSES

बूँदी किसान आन्दोलन

- बूँदी के किसानों ने 1921 में **लाग-बाग** व **बेगार प्रथा** के **विरोध** में **पं. नयनूराम शर्मा** के नेतृत्व में आन्दोलन प्रारम्भ किया।
- 2 अप्रैल, 1923 को **डाबी नामक स्थान** पर किसानों की सभा पर राजा रघुवीर सिंह की सेना द्वारा की गई गोलाबारी में **नानकजी भील** शहीद हो गये।

WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

अलवर किसान आन्दोलन

- अलवर में किसानों की फसलों को सूअरों द्वारा नुकसान पहुँचाने पर भी उन्हें मारने पर प्रतिबंध था। इसके विरोध में 1921 ई. में **मेव किसानों द्वारा** आन्दोलन करने पर सूअर मारने की अनुमति मिल गई। मेव किसानों ने बढ़ी हुई लगान देने से मना करते हुए 1932 ई. में आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। इसका नेतृत्व **मोहम्मद अली और यासीन खाँ** ने किया।
- **14 मई, 1925 ई. को अलवर रियासत के बानसूर क्षेत्र के नीमूचणा गाँव** में माधोसिंह एवं गोविन्दसिंह के नेतृत्व में सभा कर रहे किसानों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई। इसमें लगभग 156 किसान मारे गये।

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

- गाँधीजी ने नीमूचणा हत्याकाण्ड को '**जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड**' से बढ़कर बताया एवं इसे '**दोहरी डायरशाही**' की संज्ञा दी।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

Join us on Telegram

YouTube

Websites

कंप्यूटर की पीढ़ियां PDF DOWNLOAD

राजस्थान की नदियां PDF DOWNLOAD

मनोविज्ञान हस्तलिखित नोट्स DOWNLOAD

चौहान राजवंश PDF DOWNLOAD

गुर्जर प्रतिहार राजवंश PDF DOWNLOAD

मारवाड़ का राठौड़ वंश PDF DOWNLOAD

राजस्थान जीके ई-बुक PDF DOWNLOAD

राजस्थान जीके PDF DOWNLOAD

PTET 2015-2020 मॉडल पेपर DOWNLOAD

शेखावाटी किसान आन्दोलन

- शेखावाटी आन्दोलन के मुख्य कार्यकर्त्ता **रामनारायण चौधरी, ठाकुर देशराज**, मास्टर चन्द्रभान, चौधरी हरिसिंह, **हरलालसिंह, खर्रा, किशोरी देवी, उत्तमा देवी** आदि थे।
- **1931 ई.** में **राजस्थान जाट क्षेत्रीय सभा** की स्थापना की गई। इसके तत्वावधान में 1933 ई. में **पलथाना** (धोद, सीकर) में जाट सम्मेलन आयोजित कर बढ़ी हुई लगान का विरोध किया गया।
- शेखावाटी क्षेत्र के **कटराथल गाँव** (सीकर) में **अप्रैल, 1934 ई.** को **किशोरी देवी** (हरलाल सिंह खर्रा की पत्नी) के नेतृत्व में लगभग 10,000 जाट महिलाओं ने किसान आन्दोलन में भाग लिया। इसमें **ठाकुर देशराज की पत्नि उत्तमा देवी** मुख्य वक्ता थी।

मारवाड़ किसान आन्दोलन

- **मारवाड़ सेवा संघ** की 1921 में **चाँदमल सुराणा** के नेतृत्व में हड़ताल के कारण सरकार को 100 की जगह 80 तोले के एक सेर का निर्णय रद्द करना पड़ा।
- **जयनारायण व्यास** के नेतृत्व में **मारवाड़ हितकारिणी सभा** ने आन्दोलन कर मादा पशुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगवाया।
- व्यासजी ने **मारवाड़ की दशा** व **पोपाबाई की पोल** नामक पेम्फलेटों व '**तरुण राजस्थान**' समाचार-पत्र के माध्यम से जागीरदारों के जुल्मों को उजागर किया।
- **डाबड़ा काण्ड (डीडवाना)–13 मार्च, 1947 ई.** को नागौर के डाबड़ा गाँव में आयोजित किसान आन्दोलन के नेताओं के साथ जागीरदारों ने मारपीट की और **पन्नाराम चौधरी** व उसके पुत्र मोतीराम की हत्या कर दी।

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

दूधवा खारा किसान आन्दोलन

- **बीकानेर रियासत** में चूरू के निकट दूधवा खारा के जागीरदार द्वारा जबरन लगान वसूली का किसान नेता **चौधरी हनुमानसिंह** ने विरोध किया।
- चौधरी हनुमानसिंह को गिरफ्तार करने के बाद **वैद्य मंघाराम ने किसानों** के साथ प्रदर्शन किया और इस आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया।

B. जनजाति आन्दोलन

भील एवं गरासिया आन्दोलन

- **गुरु गोविन्द गिरी** (मूल नाम–राजगिरी) का जन्म **डूँगरपुर जिले के बेदसा गाँव** के एक बंजारा परिवार में 1858 ई. में हुआ। उनकी पत्नि एवं बच्चों की मृत्यु 1900 ई. के अकाल में हो गयी। वे **स्वामी दयानंद सरस्वती** की प्रेरणा से आदिवासियों की सेवा में लग गये।
- गोविन्द गुरु ने सर्वप्रथम **बांसिया गाँव** (डूँगरपुर) में अपनी **धूणी एवं निशान** स्थापित करके भीलों में समाज-सुधार का काम शुरू किया।
- गोविन्द गिरी ने **मेवाड़, वागड़** एवं **सिरोही** (भाकर) क्षेत्र के आदिवासियों के **स्वदेशी आन्दोलन** का नेतृत्व किया।
- भीलों को संगठित करने के उद्देश्य से गोविन्द गिरी ने **1883 ई.** में सिरोही रियासत में '**सम्प सभा**' की स्थापना की।
- गोविन्द गिरी ने **भील व गरासियों** में व्याप्त बुराइयों एवं कुरीतियों को नष्ट करने और उन्हें अधिकारों के प्रति सजग करने के लिए '**भगत आन्दोलन**' चलाया।

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

- गोविन्द गिरी ने '**भगत पंथ**' की स्थापना की। उन्होंने गाँव-गाँव में धूणी स्थापित कर इनकी रक्षा हेतु **कोतवाल (भगत)** नियुक्त किए।
- **17 नवम्बर, 1913 ई.** को सम्प सभा के वार्षिक अधिवेशन में **हजारों भील मानगढ़ पहाड़ी (तत्कालीन सूंथ या संतरामपुर रियासत एवं वर्तमान में गुजरात के महीसागर जिले में स्थित) पर एकत्र** हुए थे। अंग्रेजों ने **बाँसवाड़ा व गुजरात की सीमा पर स्थित** इस पहाड़ी को घेरकर अंधाधुंध गोलियाँ बरसानी शुरू कर दीं। इसमें लगभग **1500 भील स्त्री-पुरुष शहीद हुए।**

- मानगढ़ हत्याकाण्ड को '**भारत का दूसरा जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड**' कहते हैं।
- मोतीलाल तेजावत का जन्म उदयपुर रियासत के **झाड़ोल** ठिकाने के **कोल्यारी** गाँव में एक ओसवाल महाजन परिवार में हुआ था।
- इन्होंने **भोमट** एवं **सिरोही** क्षेत्रों के भीलों को शोषण के विरुद्ध संगठित करने के लिए '**एकी आन्दोलन**' चलाया जिसे '**भोमट भील आन्दोलन**' भी कहते हैं।
- तेजावतजी ने **एकी आन्दोलन का प्रारम्भ 1921 ई.** में **चित्तौड़गढ़** के राशमी परगने में **मातृकुण्डिया** गाँव से किया था।
- तेजावतजी ने भीलों में जागृति लाने हेतु '**वनवासी संघ**' की स्थापना की।
- भील आदिवासी तेजावतजी को अपना मसीहा मानकर '**बावजी**' नाम से पुकारते थे। (आदिवासियों का मसीहा)
- तेजावतजी ने भीलों के दु:ख-दर्द के ब्यौरे के रूप में **21 सूत्री माँग-पत्र** मेवाड़ के महाराणा को प्रस्तुत किया जिसे '**मेवाड़ पुकार**' की संज्ञा दी गई।

WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

- **नीमड़ा हत्याकाण्ड—7 मार्च, 1922 ई.** को विजयनगर के नीमड़ा गाँव में तेजावतजी के नेतृतव में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन हुआ। पुलिस ने लोगों को घेरकर गोलियाँ चलाईं, जिसमें लगभग **1200 भील शहीद** हुए।

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

- तेजावतजी ने **झाड़ौल** (उदयपुर) के बाद **सिरोही रियासत** को अपने आन्दोलन का दूसरा केन्द्र (भूला एवं वालोरिया गाँव) बनाया।

Join us on Telegram
YouTube
Websites

मीणा आन्दोलन

- **मुनि मगनसागर** की अध्यक्षता में **नीम का थाना (सीकर)** में आयोजित मीणा सम्मेलन में '**जयपुर राज्य मीणा सुधार समिति**' का गठन कर **पंडित बंशीधर शर्मा** को इसका अध्यक्ष बनाया गया।
- 28 अक्टूबर, 1946 को **बागावास सम्मेलन** में मीणों ने चौकीदारी का कार्य छोड़ दिया और इस दिन को **मुक्ति दिवस** के रूप में मनाया।
- **1952 ई.** में राजस्थान सरकार द्वारा **जरायम पेशा कानून** रद्द किया गया।

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

DAILY PDF के लिए JOIN कीजिए:-

RAJASTHAN CLASSES

कम्प्यूटर ज्ञान

SUBSCRIBE US ON WEBSITE RAJASTHAN CLASSES

YouTube

Websites

सामान्य ज्ञान
5000+ प्रश्न
For All Exam's
Free Download 😀

SSC Exam's
CGL-CHSL-MTS-GD
Top Questions

राजस्थान सामान्य ज्ञान
हस्तलिखित नोट्स
निशुल्क डाउनलोड

Latest Job's Update
See All Update
Exam Date News

राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AIL Exam's

PTET 2022
Complete Course
यहां से डाउनलोड करें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी,वनरक्षक,ग्रामसेवक,कृषि पर्यवेक्षक

BSTC 2022
Complete Course
यहां से डाउनलोड करें

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल
Complete Course
~~301/-~~ Now Free

भारत सामान्य ज्ञान
सम्पूर्ण टेस्ट क्विज
अपनी तैयारी को परखें

वनरक्षक वनपाल
सम्पूर्ण कोर्स
अब वर्दी लेना तय

टॉप 1000 प्रश्न
ई - बुक सामान्य ज्ञान
डाउनलोड करलो